अमर उजाला | दिल्ली | amarujala.com

गगन गिल और ईस्टरिन किरे को साहित्य अकादमी पुरस्कार

अभी मान्यता प्राप्त 21 भारतीय भाषाओं की रचनाओं का चुनाव, बांग्ला, डोगरी और उर्दू के लिए पुरुस्कारों की घोषणा बाद में की जाएगी

संवाद न्यूज एजेंसी

नई दिल्ली। साहित्यकार व कवि गगन गिल को हिंदी भाषा के लिए साहित्य अकादमी पुरस्कार से नावाजा गया है। कविता संग्रह 'मैं जब तक आयी बाहर' के लिए उनका चयन हुआ है। वहीं, अंग्रेजी के उपन्यासकार ईस्टरिन किरे के उपन्यास 'स्पिरिट नाइट्स' को साहित्य अकादमी ने पुरस्कृत किया। बुधवार 21 भाषाओं के लिए साहित्य अकादमी पुरस्कार-2024 की घोषणा हुई।

मीडिया से बातचीत करते हुए अकादमी के सचिव डॉ. के श्रीनिवास राव ने बताया कि पुरस्कार फिलहाल के लिए 21 भाषाओं के लिए घोषित किए गए हैं। बांग्ला, डोगरी और उर्दू में पुरस्कारों की घोषणा बाद में की जाएगी। इनमें आठ कविता-संग्रह, तीन उपन्यास, दो कहानी संग्रह, तीन निबंध, तीन साहित्यिक आलोचना, एक नाटक और एक शोध की पुस्तकें शामिल हैं। साथ ही, बताया कि पुरस्कार आठ मार्च को होने वाले एक समारोह में प्रदान किए जाएंगे।

पुरस्कार की घोषणा करते अकादमी के सचिव के. श्रीनियासराव व अन्य। अमर उजाला

हिंदी के लिए गगन गिल की कविता संग्रह 'मैं जब तक आयी बाहर'' तो अंग्रेजी के लिए ईस्टरिन किरे का उपन्यास स्पिरिट नाइट्स चयनित हुआ है। वहीं, पंजाबी के लिए पॉल कौर का कविता संग्रह सुन गुणवंता सुन बुद्धिवंता : इतिहासनामा पंजाब और मैथिली के लिए महेंद्र मलंगिया का निबंध प्रबंध संग्रह चुना गया है।

यह पुरस्कार साहित्य अकादमी पुरस्कार-2023 से पिछले पांच वर्षों में पहली बार प्रकाशित पुस्तकों पर दिए गए हैं। इनकी अनुशंसा 21 भारतीय भाषाओं की निर्णायक समितियों ने की है और अकादमी के अध्यक्ष माधव कौशिक की अध्यक्षता में आयोजित अकादमी के कार्यकारी मंडल की बैठक में बुधवार इन्हें अनुमोदित किया गया। पुरस्कार के तौर पर एक उत्कीर्ण ताम्रफलक, शॉल और एक लाख रुपये की राशि पुरस्कृत लेखकों को दी जाएगी।

कविता संग्रह के लिए पुरस्कृत लेखक

कविता के लिए समीर तांती (असमिया), दिलीप झावेरी (गुजराती), गगन गिल (हिंदी), के. जयकुमार (मलयालम), हाओबम सत्यबती देवी (मणिपुरी), पॉल कौर (पंजाबी), मुकुट मणिराज (राजस्थानी) और दीपक कुमार शर्मा (संस्कृत) को साहित्य अकादमी पुरस्कार मिलेगा।

उपन्यास, निबंध व कहानी-संग्रह के लिए

उपन्यास के लिए अरन राजा (बोडो), ईस्टरिन किरे (अंग्रेजी) और सोहन कौल (कश्मीरी) को चुना गया है। जबकि कहानी-संग्रह के लिए युवा बराल (नेपाली), हूंदराज बलवाणी (सिंधी) चयनित किए गए हैं। वहीं निबंध के लिए मुकेश थली (कोंकणी), महेंद्र मलंगिया (मैथिली) व बैष्णब चरण सामल (ओड़िया) के लिए सम्मानित होंगे हैं।

साहित्यिक आलोचना, नाटक व शोध के लिए

इसी क्रम में साहित्यिक आलोचना के लिए केवी नारायण (कन्नड़), सुधीर रसाल (मराठी) व पेनुगोंडा लक्ष्मीनारायण (तेलुगु) का नाम है। नाटक के लिए महेश्वर सोरेन (संताली) व शोध के लिए एआर वेंकटचलपति (तमिल) को पुरस्कार दिया जाएगा।